



चम्पारण ज्ञानाग्रह



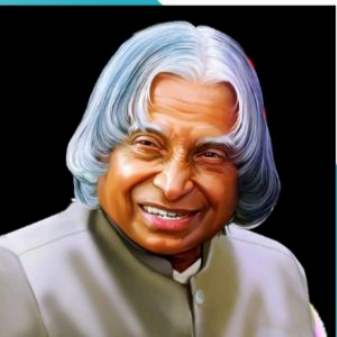
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 24 अक्टूबर 2026, अंक -384.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"लोभ सभी बुराइयों की जड़ है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org





Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रपतार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हँ दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रुक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार...!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारङ्ग प्रतिमा गङ्गि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1. मालदीव की राजधानी क्या है?

उत्तर: माले

प्रश्न 2. भारत की पहली महिला अंतरराष्ट्रीय पायलट के रूप में किसे जाना जाता है?

उत्तर: सरला ठकराल

प्रश्न 3. 'चाम' किस राज्य/क्षेत्र की प्रसिद्ध पारंपरिक मुखौटा नृत्य-परंपरा है?

उत्तर: लद्दाख

प्रश्न 4. 2.5×0.4 का मान कितना होगा?

उत्तर: 1

प्रश्न 5. बिहार में स्थित 'संजय गांधी जैविक उद्यान' किस शहर में है?

उत्तर: पटना

प्रश्न 6. किस जीव का शरीर बाहरी कंकाल से ढका होता है?

उत्तर: केकड़ा

प्रश्न 7. गुरुत्वाकर्षण के सार्वत्रिक नियम का प्रतिपादन किसने किया?

उत्तर: आइज़ैक न्यूटन

प्रश्न 8. भारतीय संविधान में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) का प्रावधान किस अनुच्छेद में है?

उत्तर: अनुच्छेद 148

प्रश्न 9. 'जो दूसरों का हित चाहता हो' – उसके लिए एक शब्द क्या है?

उत्तर: हितैषी

प्रश्न 10. दूध को कुछ समय तक गर्म करने से उसमें मौजूद हानिकारक सूक्ष्मजीवों को कम करने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?

उत्तर: पाश्चुरीकरण

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

- 1 Justice - जस्टिस - न्याय
- 2 Freedom - फ्रीडम - आज़ादी / स्वतंत्रता
- 3 Dignity - डिग्निटी - गरिमा
- 4 Integrity - इंटेग्रिटी - सत्यनिष्ठा / अखंडता
- 5 Secession - सेसेशन - अलगाव / पृथक्करण
- 6 Diplomacy - डिप्लोमेसी - कूटनीति
- 7 Treaty - ट्रीटी - संधि



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Who is going to + V1?"

(कौन ... करने वाला/वाली है?)

कौन आज कक्षा की सफाई करने वाला है? – Who is going to clean the classroom today?

कौन तुम्हें स्टेशन तक ले जाने वाला है? – Who is going to take you to the station?

कौन इस पौधे को पानी देने वाला है? – Who is going to water this plant?

कौन बच्चों को कहानी सुनाने वाला है? – Who is going to tell the children a story?

कौन बैठक में भाषण देने वाला है? – Who is going to give a speech at the meeting?



संकलन:-

अभिनव राज

प्रधान शिक्षक

रा० प्रा० वि० शेखधुरवा

चनपटिया, प. चम्पारण

प्र.1. प्रतिवर्ष 24 अक्टूबर को 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रभावी होने की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और सहयोग को समर्पित कौन-सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: संयुक्त राष्ट्र दिवस (United Nations Day)

व्याख्या: प्रतिवर्ष 24 अक्टूबर को 'संयुक्त राष्ट्र दिवस' (UN Day) मनाया जाता है। 24 अक्टूबर 1945 को सुरक्षा परिषद के 5 स्थायी सदस्यों सहित अधिकांश हस्ताक्षरकर्ताओं द्वारा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसमर्थन के उपरांत यह विश्व निकाय औपचारिक रूप से अस्तित्व में आया था। वर्ष 1947 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस तिथि को आधिकारिक रूप से घोषित किया। इसका मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्धों को रोकना, मानवाधिकारों की रक्षा करना, अंतरराष्ट्रीय विधि का सम्मान करना तथा संवहनीय विकास लक्ष्यों (SDGs) की प्राप्ति हेतु वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ बनाना है।

संदर्भ: United Nations Charter Official Archives; UN General Assembly Resolution 168 (II); Ministry of External Affairs (MEA) International Organizations Dossier.

प्र.2. वर्ष 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले सर सी. वी. रमन ने पारदर्शी माध्यम से गुजरने पर प्रकाश के प्रकीर्णन और तरंगदैर्घ्य में परिवर्तन की किस युगांतरकारी परिघटना की खोज की थी? (समसामयिक/नोबेल विशेष)

उत्तर: रमन प्रभाव (Raman Effect)

व्याख्या: सर चंद्रशेखर वेंकट रमन (सी. वी. रमन) को वर्ष 1930 में 'भौतिकी का नोबेल पुरस्कार' प्रदान किया गया था। वे विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रथम एशियाई और गैर-श्वेत वैज्ञानिक थे। उन्होंने 28 फरवरी 1928 को कलकत्ता में 'रमन प्रभाव' की ऐतिहासिक खोज की थी। इस नियम के अनुसार, जब एकवर्णी प्रकाश किसी पारदर्शी ठोस, द्रव या गैस के अणुओं से टकराकर प्रकीर्णित होता है, तो प्रकीर्णित प्रकाश का एक सूक्ष्म अंश अपनी मूल आवृत्ति (तरंगदैर्घ्य) से भिन्न हो जाता है ($h\nu' = h\nu \pm \Delta E$)। यह आणविक ऊर्जा स्तरों में हुए बदलाव का परिणाम होता है। आधुनिक समय में 'रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी' रासायनिक विश्लेषण, कैंसर निदान और सामग्री विज्ञान में एक अनिवार्य उपकरण है।

संदर्भ: NobelPrize.org Official Archives – C.V. Raman Physics 1930;

प्र.3. मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित वह कौन-सा अमर उपन्यास है, जिसमें अनमेल विवाह, सामंती अभिजात्य वर्ग की कमजोरियों और 'जालपा' के आभूषण-प्रेम तथा उसके नैतिक रूपांतरण की कथा कही गई है? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: गबन (1931)

व्याख्या: 'गबन' (1931) मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित एक अत्यंत लोकप्रिय और कालजयी सामाजिक-मनोवैज्ञानिक उपन्यास है। यह उपन्यास तत्कालीन मध्यवर्गीय समाज में झूठी प्रतिष्ठा, दिखावे की प्रवृत्ति और आभूषण-प्रेम के घातक दुष्परिणामों पर केंद्रित है। नायक 'रमानाथ' अपनी पत्नी 'जालपा' को चंद्रहार पहनाने और अपनी विलासिता पूरी करने के लिए सरकारी दफ्तर में गबन कर बैठता है और कानूनी शिकंजे के भय से कोलकाता भाग जाता है। प्रेमचंद ने इसमें दर्शाया है कि कैसे सामाजिक परिस्थितियाँ मनुष्य को नैतिक पतन की ओर धकेलती हैं, परंतु जालपा के पश्चाताप और आत्म-संघर्ष से अंततः परिवार का नैतिक उद्धार होता है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद – 'गबन', सरस्वती प्रेस/राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1 साहित्य संदर्भ);

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी भी आवास में विदेशी (आक्रामक) पादप या जंतु प्रजातियों के अनियंत्रित प्रसार के कारण स्थानीय प्रजातियों के विनाश की इस प्रक्रिया को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: जैविक आक्रमण (एलियन स्पीशीज इनवेजन / Alien Species Invasion)

व्याख्या: जब किसी विदेशी प्रजाति (Alien or Exotic Species) को किसी नए पारिस्थितिक तंत्र में अनजाने में या जानबूझकर लाया जाता है, तो वहाँ उसके प्राकृतिक शिकारियों या प्रतिस्पर्धियों के न होने के कारण उसकी संख्या अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती है। इसे 'जैविक आक्रमण' कहा जाता है। यह जैव-विविधता के विनाश के 'दुष्ट चौकड़ी' (Evil Quartet) कारणों में से एक प्रमुख कारण है। उदाहरण के लिए, भारत में आयातित 'जलकुंभी' (Eichhornia crassipes - बंगाल का आतंक), 'गजर घास' (Parthenium) और अफ्रीकी कैटफिश (Clarias gariepinus) ने देशी जलीय जीवों और वनस्पतियों को भारी क्षति पहुँचाई है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 15 "जैव विविधता एवं संरक्षण", p. 282-285;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मध्य प्रदेश के विजयराघवगढ़ (कटनी) रियासत के किस देशभक्त राजा ने अंग्रेजों की सत्ता स्वीकार करने से इंकार कर सशस्त्र जन-विद्रोह का नेतृत्व किया था? (इतिहास)

उत्तर: राजा सरयू प्रसाद सिंह

व्याख्या: 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में महाकौशल और विंध्य क्षेत्र में विजयराघवगढ़ के युवा शासक राजा सरयू प्रसाद सिंह ने अदम्य साहस का परिचय दिया था। उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत द्वारा लगाए गए करों और प्रशासनिक हस्तक्षेप का विरोध करते हुए ब्रिटिश तहसीलदार की हत्या कर विजयराघवगढ़ किले पर स्वाधीनता का ध्वज फहराया। उन्होंने विद्रोही सैनिकों और स्थानीय आदिवासियों के साथ मिलकर जबलपुर-मिर्जापुर सड़क मार्ग पर ब्रिटिश संचार व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। कर्नल स्लीमैन और लेफ्टिनेंट व्हिटलॉक की विशाल ब्रिटिश सेना ने जब किले को घेरा, तो वे भूमिगत होकर लंबे समय तक गुरिल्ला संघर्ष करते रहे।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55-58;

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत के पश्चिमी घाट में कर्नाटक के कूर्ग (कोडागु) जिले की ब्रह्मगिरि पहाड़ियों से निकलकर तमिलनाडु होते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली दक्षिण भारत की पवित्रतम नदी कौन-सी है? (भूगोल)
उत्तर: कावेरी नदी (Kaveri River)

व्याख्या: कावेरी नदी दक्षिण भारत की एक प्रमुख और अत्यंत पवित्र बारहमासी नदी प्रणाली है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 800 किलोमीटर है। इसे पारंपरिक रूप से 'दक्षिण की गंगा' भी कहा जाता है। इसका उद्गम पश्चिमी घाट में ब्रह्मगिरि पर्वत श्रेणी के 'तालकावेरी' नामक स्थान से होता है। इसका जल-ग्रहण क्षेत्र कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विस्तृत है। इसकी मुख्य सहायक नदियों में अमरावती, भवानी, हेमावती, काबिनी और हरंगी शामिल हैं। यह नदी तमिलनाडु के तंजावुर में 'दक्षिण भारत का धान का कटोरा' (Granary of South India) कहे जाने वाले उपजाऊ डेल्टा का निर्माण करती है। इस नदी पर प्रसिद्ध शिवसमुद्रम जलप्रपात तथा मेदूर व कृष्णराज सागर बांध स्थित हैं।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22-24;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य विधानमंडलों के सदनों में 'सचिवालय' (Secretariat) की स्थापना तथा उसके कर्मचारियों की भर्ती व सेवा शर्तों के स्वतंत्र नियमन का प्रावधान करता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 187 (Article 187)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-VI में राज्य विधानमंडल के अधिकारियों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 187' राज्य विधानसभा और विधान परिषद के स्वतंत्र सचिवालय का उपबंध करता है। इसके अनुसार: (1) राज्य विधानमंडल के प्रत्येक सदन का एक पृथक सचिवालयी कर्मचारीवृंद होगा; (2) राज्य का विधानमंडल विधि द्वारा ऐसे सचिवालय के पदों पर भर्ती और नियुक्त व्यक्तियों की सेवा-शर्तों का विनियमन कर सकेगा; (3) जब तक ऐसा कानून न बने, तब तक राज्यपाल संबंधित सदन के अध्यक्ष/सभापति से परामर्श के पश्चात ऐसे नियम बना सकते हैं। यह उपबंध कार्यपालिका के हस्तक्षेप से विधायिका की स्वायत्तता और गरिमा को सुरक्षित रखता है।

संदर्भ: Constitution of India, Part VI, Article 187; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 5 "विधायिका", p. 108-112;

प्र.8. दंत चिकित्सकों (Dentists) द्वारा रोगी के दांतों का बड़ा और स्पष्ट प्रतिबिंब देखने हेतु किस प्रकार के दर्पण का उपयोग किया जाता है और वस्तु को कहाँ स्थित होना चाहिए? (विज्ञान)
उत्तर: अवतल दर्पण (Concave Mirror); ध्रुव (P) और मुख्य फोकस (F) के बीच

व्याख्या: दंत चिकित्सक मरीज के दांतों की सूक्ष्म जांच, कैविटी या सड़न देखने के लिए छोटे 'अवतल दर्पण' का उपयोग करते हैं। अवतल दर्पण की यह विशिष्ट प्रकाशिक विशेषता होती है कि जब किसी वस्तु को दर्पण के ध्रुव (P) और उसके मुख्य फोकस (F) के अत्यधिक निकट (बीच में) रखा जाता है, तो दर्पण के पीछे वस्तु का एक 'आभासी, सीधा और बहुत बड़ा (आवर्धित)' प्रतिबिंब बनता है। इसके कारण दंत चिकित्सक को दांत का भीतरी हिस्सा कई गुना बड़ा और स्पष्ट दिखाई देता है। इसके अतिरिक्त हजामत बनाने वाले शेविंग मिरर और डॉक्टरों के हेड-मिरर में भी इसी प्रकाशिक सिद्धांत का उपयोग किया जाता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 179-182;

प्र.9. 12वीं शताब्दी में पश्चिमी चालुक्य और होयसल स्थापत्य के संगम से कर्नाटक के हावेरी जिले में तुंगभद्रा नदी के तट पर सोपस्टोन (साबुन पत्थर) से निर्मित द्रविड़ व वेसर शैली का भव्य मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: चौदयादानपुरा का मुक्तेश्वर मंदिर (Mukteshwara Temple, Chaudayyadanapura)

व्याख्या: मुक्तेश्वर मंदिर कर्नाटक के हावेरी जिले के चौदयादानपुरा गाँव में तुंगभद्रा नदी के सुरम्य तट पर स्थित मध्यकालीन चालुक्य-होयसल वास्तुकला का एक अत्यंत उत्कृष्ट पाषाण स्मारक है। इसका निर्माण 11वीं-12वीं शताब्दी में कल्याणी के चालुक्यों के काल में हुआ था और बाद में 13वीं शताब्दी में इसे होयसल राजाओं ने समृद्ध किया। यह मंदिर भगवान शिव (मुक्तेश्वर) को समर्पित है। यह मंदिर बारीक नक्काशीदार सोपस्टोन (क्लोराइट शिस्ट), अलंकृत विमान, नक्काशीदार स्तंभों और गर्भ-गृह की चौखटों पर उकेरी गई सूक्ष्म ज्यामितीय व पौराणिक कलाकृतियों के लिए विख्यात है। यहाँ कन्नड़ भाषा के अनेक प्राचीन शिलालेख उत्कीर्ण हैं जो तत्कालीन सामाजिक दान और धार्मिक इतिहास का प्रामाणिक विवरण देते हैं।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला संदर्भ";

प्र.10. 1928 में साइमन कमीशन के बिहार आगमन पर पटना में उसके बहिष्कार हेतु एक सर्वदलीय बैठक का आयोजन किसकी अध्यक्षता में हुआ था, जिसमें कमीशन को काले झंडे दिखाए गए थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: सर अली इमाम (अध्यक्षता में)

व्याख्या: 1928 में जब ब्रिटिश सरकार द्वारा सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में गठित 7-सदस्यीय 'साइमन कमीशन' (जिसमें एक भी भारतीय सदस्य नहीं था) भारत आया, तो पूरे देश में उसका प्रखर विरोध हुआ। बिहार में इसके बहिष्कार की रणनीति तैयार करने हेतु पटना में राष्ट्रवादी नेताओं की एक विशाल सर्वदलीय बैठक प्रख्यात विधिवेत्ता 'सर अली इमाम' की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जब 12 दिसंबर 1928 को साइमन कमीशन पटना रेलवे स्टेशन पहुँचा, तो अनुग्रह नारायण सिंह, जगत नारायण लाल और हसरत मोहानी के नेतृत्व में लगभग 30,000 राष्ट्रवादियों के विशाल जनसमूह ने कड़ाके की ठंड में "साइमन गो बैक" के नारों और काले झंडों के साथ उसका ऐतिहासिक बहिष्कार किया था।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module; Dr. K. K. Datta — 'History of Freedom Movement in Bihar';



प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W4 — सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) के अनुसार पैदल चलते समय विद्यार्थियों को सड़क के किस ओर चलना चाहिए, सड़क पार करते समय 'स्टॉप, लुक, लिसन' (रुको, देखो, सुनो) का नियम क्या है, और दोपहिया वाहन पर बीआईएस-प्रमाणित हेलमेट क्यों अनिवार्य है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)
उत्तर: हमेशा दाईं ओर (ट्रैफिक के सामने) चलना; दोनों ओर देखकर पार करना; सिर की घातक चोट से 80% तक जीवन रक्षा
व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W4: सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी) और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) के सुरक्षा नियमों के अनुसार: (1) पैदल चलने का नियम — जहाँ फुटपाथ न हो, वहाँ विद्यार्थियों को हमेशा सड़क के 'दाईं ओर' (Right Side) चलना चाहिए ताकि वे सामने से आने वाले वाहनों को सीधे अपनी आँखों के सामने देख सकें और अचानक कोई खतरा होने पर तुरंत किनारे हट सकें; (2) सड़क पार करने की सुरक्षा — सड़क पार करते समय कभी भी दौड़ें नहीं; हमेशा 'जैब्रा क्रॉसिंग' का उपयोग करें तथा 'रुको, देखो, सुनो' (Stop, Look, Listen) का पालन करें (पहले दाईं ओर देखें, फिर बाईं ओर, पुनः दाईं ओर मुड़कर तसल्ली करें कि कोई वाहन तीव्र गति से नहीं आ रहा है, फिर शांत कदमों से सीधा पार करें); (3) हेलमेट व सीटबेल्ट — दोपहिया वाहन चलाते या पीछे बैठते समय 'बीआईएस-प्रमाणित' (ISI मार्क) फुल-फेस हेलमेट की स्ट्रैप (फीता) कसकर बांधना अनिवार्य है; विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार मानक हेलमेट दुर्घटना में सिर की गंभीर चोट और मृत्यु के जोखिम को 70 से 80 प्रतिशत तक घटा देता है; (4) वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करना या ईयरफोन लगाना पूर्णतः प्रतिबंधित और जानलेवा है।
संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W4 — "सड़क दुर्घटना में बचाव के संदर्भ में जानकारी";



प्र.12. एक कक्षा के 24 विद्यार्थियों की औसत आयु 14 वर्ष है। यदि शिक्षक की आयु भी शामिल कर ली जाए, तो औसत आयु में 1 वर्ष की वृद्धि हो जाती है। बताइए उस शिक्षक की आयु कितने वर्ष है? (रोचक पहेली/गणित/रीजनिंग)
उत्तर: 39 वर्ष
व्याख्या: यह 'औसत' (Average) के सिद्धांत पर आधारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का मानक अंकगणितीय प्रश्न है।
कुल योग = औसत * पदों की संख्या। प्रारंभ में 24 विद्यार्थियों की कुल आयु का योग = $24 \times 14 = 336$ वर्ष। शिक्षक को शामिल करने पर कुल व्यक्तियों की संख्या = $24 + 1 = 25$ व्यक्ति।
नया औसत = $14 + 1 = 15$ वर्ष।
अब सभी 25 व्यक्तियों (विद्यार्थी + शिक्षक) की कुल आयु का योग = $25 \times 15 = 375$ वर्ष।
शिक्षक की आयु = (25 व्यक्तियों की कुल आयु) - (24 विद्यार्थियों की कुल आयु)
 $\text{शिक्षक की आयु} = 375 - 336 = 39$ (वर्ष)।
(वैकल्पिक संक्षिप्त ट्रिक: शिक्षक की आयु = नया औसत + (प्रारंभिक संख्या * औसत में वृद्धि) = $15 + (24 \times 1) = 15 + 24 = 39$ वर्ष)।
अतः उस शिक्षक की आयु ठीक 39 वर्ष है।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 3 "आंकड़ों का प्रबंधन" (Data Handling - Mean/Average), p. 62-67;

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Auspicious (ऑस्पिशस) = Favorable (फेवरबल) = शुभ / अनुकूल / मंगलकारी
Antonym – Inauspicious (इनऑस्पिशस) = अशुभ / अमंगलकारी
2. Conundrum (कनड्रम) = Puzzle (पज़ल) = कठिन पहेली / जटिल समस्या
Antonym – Solution (सॉल्यूशन) = समाधान / हल
3. Fastidious (फैस्टिडियस) = Meticulous (मेटिक्युलस) = अत्यंत सावधान / बारीकी पर ध्यान देने वाला
Antonym – Careless (केयरलेस) = लापरवाह / असावधान
4. Recalcitrant (रिकैल्सिट्रन्ट) = Defiant (डिफायन्ट) = उद्दंड / अवज्ञाकारी / हठी
Antonym – Compliant (कम्प्लायन्ट) = आज्ञाकारी / सहमत
5. Sycophant (सिकॉफन्ट) = Flatterer (फ्लैटरर) = चापलूस / खुशामदी व्यक्ति
Antonym – Candid (कैंडिड) = स्पष्टवादी / निष्कपट

~: संकलन ~:

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2, प. चम्पारण।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



Centre expects anti-cancer drug prices to fall 20-70% under proposed trade margin cap; patients may save ₹2,500 crore annually

हिन्दी अनुवाद: केंद्र को उम्मीद है कि प्रस्तावित ट्रेड मार्जिन सीमा के तहत कैंसर रोधी दवाओं की कीमतें 20-70% घटेंगी; मरीजों को सालाना 2,500 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कैंसर रोधी दवाओं पर अधिकतम खुदरा मूल्य (MRP) के 30% तक ट्रेड मार्जिन की सीमा लगाने से मरीजों को सालाना लगभग 2,500 करोड़ रुपये की बचत हो सकती है। प्रस्तावित उपाय से इन दवाओं की MRP में 20 से 70% तक की कमी आ सकती है। UPSC/BPSC के लिए: NPPA — राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण; Trade margin cap — ट्रेड मार्जिन सीमा; MRP — अधिकतम खुदरा मूल्य।

India and Poland issue joint statement; deepen defence, space and nuclear energy cooperation; aim to double trade by 2030

हिन्दी अनुवाद: भारत और पोलैंड ने संयुक्त वक्तव्य जारी किया; रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर सहमत; 2030 तक व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलिश प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। भारत और पोलैंड ने रक्षा उद्योग संवाद स्थापित करने पर सहमति जताई है। UPSC/BPSC के लिए: India-Poland Strategic Partnership — भारत-पोलैंड रणनीतिक साझेदारी; Defence Industry Dialogue — रक्षा उद्योग संवाद; Bilateral trade — द्विपक्षीय व्यापार।

India's defence production reaches ₹1.80 lakh crore; defence exports hit record ₹38,424 crore

हिन्दी अनुवाद: भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचा; रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये हुए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये तक पहुँचा है। भारत अब पनडुब्बियों का निर्माण कर रहा है। UPSC/BPSC के लिए: Defence production — रक्षा उत्पादन; Defence exports — रक्षा निर्यात; Indigenisation — स्वदेशीकरण।

INTERNATIONAL NEWS

Iran's attacks on seven ships in Strait of Hormuz mark 'major escalation'; Trump hints new air strikes

हिन्दी अनुवाद: होर्मुज़ में सात जहाजों पर ईरान के हमलों ने 'बड़ी वृद्धि' का संकेत दिया; ट्रंप ने नए हवाई हमलों का संकेत दिया।

ईरान ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य में एक रात में सात जहाजों पर हमले किए, जिनमें तीन जहाजों को खनों से नुकसान पहुँचा और चार पर IIRC द्वारा सीधे हमला किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नए हवाई हमलों का संकेत दिया। UPSC/BPSC के लिए: Strait of Hormuz — होर्मुज़ जलडमरूमध्य; IIRC — इस्लामी क्रांतिकारी गार्ड कॉर्प्स; Freedom of navigation — नौवहन की स्वतंत्रता।

Oil prices hold near five-month highs amid supply concerns; Saudi Aramco evacuates staff amid Houthi attacks

हिन्दी अनुवाद: आपूर्ति चिंताओं के बीच तेल की कीमतें पाँच महीने के उच्चतम स्तर के पास; हूति हमलों के बीच सऊदी अरामको ने कर्मचारियों को खाली कराया। सऊदी अरामको ने हूति हमलों के बीच अपने पूर्वी मुख्यालय में शेष कर्मचारियों को खाली करने को कहा है। तेल की कीमतें पाँच महीने के उच्चतम स्तर के पास बनी हुई हैं। UPSC/BPSC के लिए: Saudi Aramco — सऊदी अरामको; Oil prices — तेल की कीमतें; Energy security — ऊर्जा सुरक्षा।

European, Middle East ministers in Istanbul for talks over Hormuz, security; Houthis say they attacked Saudi defense ministry, Aramco facilities and Dammam airport

हिन्दी अनुवाद: होर्मुज़ और सुरक्षा पर बातचीत के लिए यूरोपीय, मध्य पूर्व मंत्री इस्तांबुल में; हूतियों ने सऊदी रक्षा मंत्रालय, अरामको सुविधाओं और दम्माम हवाई अड्डे पर हमलों का दावा किया।

यूरोपीय और मध्य पूर्व मंत्री होर्मुज़ जलडमरूमध्य और सुरक्षा पर बातचीत के लिए इस्तांबुल में मिले। हूतियों ने सऊदी रक्षा मंत्रालय, यंबू में अरामको सुविधाओं और दम्माम हवाई अड्डे पर हमलों का दावा किया। UPSC/BPSC के लिए: Istanbul talks — इस्तांबुल बातचीत; Houthi rebels — हूति विद्रोही; Saudi defense ministry — सऊदी रक्षा मंत्रालय।

BIHAR NEWS

Bihar floods affect nearly 50 lakh people across 15 districts; CM transfers ₹112 crore relief via DBT to over 1.6 lakh families

हिन्दी अनुवाद: बिहार में 15 जिलों में लगभग 50 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित; CM ने 1.6 लाख से अधिक परिवारों को DBT के जरिए 112 करोड़ रुपये की राहत भेजी।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, पटना, भोजपुर और सारण सहित 15 जिलों में 49.67 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 1,60,201 प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में 112.14 करोड़ रुपये की राहत राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के जरिए भेजी। राज्य सरकार ने प्रति परिवार 7,000 रुपये की सहायता देने की व्यवस्था की है। UPSC/BPSC के लिए: DBT — प्रत्यक्ष लाभ अंतरण; Disaster Management Department — आपदा प्रबंधन विभाग; Flood relief — बाढ़ राहत।

Gandak river reaches record 91.25 metres at Bagaha gauge; 169 seepage/piping points secured; Champaran embankment damaged at two locations

हिन्दी अनुवाद: बागहा गेज साइट पर गंडक नदी रिकॉर्ड 91.25 मीटर पर पहुँची; 169 रिसाव/पाइपिंग बिंदु सुरक्षित; चंपारण तटबंध दो स्थानों पर क्षतिग्रस्त।

नेपाल में तीव्र, अल्पकालिक वर्षा के बाद बिहार में गंडक नदी ने बागहा गेज साइट पर अब तक का सर्वोच्च जलस्तर 91.25 मीटर दर्ज किया। उच्च निस्सरण ने नदी के तटबंधों पर दबाव डाला, जिससे कई स्थानों पर रिसाव, पाइपिंग और ऊपर से पानी बहने (overtopping) की स्थिति बनी। अब तक 169 रिसाव/पाइपिंग प्रभावित बिंदुओं को तत्काल उपायों से सुरक्षित किया गया है। पश्चिम चंपारण जिले में गंडक नदी के बाएं तट पर चंपारण तटबंध को दो स्थानों पर क्षति पहुँची। UPSC/BPSC के लिए: Gandak river — गंडक नदी; Seepage and piping — रिसाव और पाइपिंग; Embankment damage — तटबंध क्षति।

SPORTS NEWS

India chase down 226 to beat New Zealand by four wickets in 1st T20I; take 1-0 lead in five-match series

हिन्दी अनुवाद: भारत ने पहले T20I में 226 रन का लक्ष्य हासिल कर न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया; पाँच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बनाई।

क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में भारत ने 226 रन का लक्ष्य दो गेंद बाकी रहते हासिल किया। संजू सैमसन ने 33 गेंदों पर 67 रन बनाए और नमन धीर ने 15 गेंदों पर नाबाद 42 रन बनाए। भारत ने चार विकेट से जीत दर्ज की। UPSC/BPSC के लिए: T20I — ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय; BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड; Hagley Oval — हैगले ओवल।

Ishan Kishan ruled out of 2nd T20I against New Zealand with adductor strain; Vaibhav Sooryavanshi could return

हिन्दी अनुवाद: इशान किशन एडक्टर खिंचाव के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे T20I से बाहर; वैभव सूर्यवंशी की वापसी संभव। BCCI ने घोषणा की कि इशान किशन को दाहिने एडक्टर में हल्के खिंचाव के कारण दूसरे T20I से बाहर रखा गया है। वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल करने की संभावना है। UPSC/BPSC के लिए: Adductor strain — एडक्टर खिंचाव; BCCI — भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड; Vaibhav Sooryavanshi — वैभव सूर्यवंशी।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

“कैंसर रोधी दवाओं पर ट्रेड मार्जिन सीमा: मरीजों को सालाना ₹2,500 करोड़ की बचत की संभावना”

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि कैंसर रोधी दवाओं पर MRP के 30% तक ट्रेड मार्जिन की सीमा लगाने से मरीजों को सालाना लगभग ₹2,500 करोड़ की बचत हो सकती है। प्रस्तावित उपाय से इन दवाओं की कीमतें 20-70% तक घट सकती हैं।

सुरक्षित शनिवार विशेष सड़क दुर्घटना से बचाव

एक सेकंड की सावधानी,
जीवन भर की खुशी!

1

बच्चों, सड़क पर छोटी-सी गलती भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है! आओ, कुछ जरूरी नियम जानते हैं और याद रखें— सुरक्षित रहना ही सच्ची बहादुरी है!

रोहन नेहा अंश सोनु

2 सड़क पार करते समय

जहाँ जेब्रा क्रॉसिंग हो, वही से सड़क पार करें! बिना देखे कभी दौड़कर पार न करें!

पहले बाएँ देखो

फिर दाएँ देखो

3 वाहन चलाते समय

साइकिल चलाते समय सड़क के बाईं ओर चलें, यातायात संकेतों का पालन करें और अचानक मोड़ न काटें!

हमेशा सड़क के बाईं ओर चलें!

4 दो पहिया वाहन पर

मोटरसाइकिल पर चालक और पीछे बैठने वाले दोनों को हेलमेट पहनना चाहिए!

हेलमेट सिर की सबसे अच्छी सुरक्षा है!

5 कार में यात्रा करते समय

कार में सभी को सीट बेल्ट लगानी चाहिए! यह छोटी-सी आदत बड़ी दुर्घटना से बचाती है!

6 क्या न करें

सड़क पर चलते समय मोबाइल का उपयोग न करें!

तेज गति से वाहन न चलाएँ!

7 यातायात संकेतों का पालन करें

रुकें संकेत मानें अनावश्यक हॉर्न न बजाएँ पैदल पार-पथ का उपयोग करें!

नियमों का पालन करें, अपना और दूसरों का जीवन सुरक्षित रखें!

सुरक्षित सड़क सुरक्षित कल!



आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-23

सोचो... समझो... हल करो...

		3			8	4	5	
			2					
				7	4		2	
		2						
			1	5	7			
			8			6	4	
			3					8
	6	8				5		1
5					2			

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।
- प्रत्येक 3x3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएँ।

आज का विचार

"अपने आप पर विश्वास रखो, आधी सफलता वहीं मिल जाती है।"
— स्वामी विवेकानंद

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

1	2	3	9	8	6	4	5	7
4	6	7	2	3	1	8	9	5
5	9	5	5	7	4	1	2	3
3	8	2	4	9	6	7	1	5
6	4	9	1	8	7	3	5	2
7	1	6	8	2	3	5	4	9
9	7	4	3	1	5	2	6	8
2	5	5	7	4	9	8	3	1
5	3	1	6	8	2	9	7	4

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

श्रीमद्भगवद्गीता — अध्याय 6, श्लोक 6
बन्धुरात्मात्मनस्तस्य येनात्मैवात्मना जितः।
अनात्मनस्तु शत्रुत्वे वर्ततात्मैव शत्रुवत्॥

"डिकोड"

सरल हिन्दी अर्थ:

जिस मनुष्य ने अपने मन (और इंद्रियों) को स्वयं ही जीत लिया है, उसके लिए उसका मन सबसे बड़ा मित्र और सहायक है। किंतु जिसने अपने मन को वश में नहीं किया है (जो अनियंत्रित है), उसका अपना ही मन शत्रु की भाँति शत्रुता का आचरण करता है।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ

पिछले श्लोक में श्रीकृष्ण ने कहा था कि व्यक्ति स्वयं अपना मित्र या शत्रु है। इस श्लोक में वे उस मित्र और शत्रु का निर्णायक पैमाना स्पष्ट करते हैं— आत्म-नियंत्रण (Self-Regulation)।

- मित्र मन (A Regulated Mind): जब मन आपके निर्देशों, विवेक और दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुसार चलता है, तो वह एक वफादार साथी की तरह एकाग्रता, ऊर्जा, रचनात्मकता और मानसिक शांति प्रदान करता है।
- शत्रु मन (An Unregulated Mind): जब मन अनियंत्रित होकर अपनी ही इच्छाओं, भटकावों, चिंताओं और व्यसनों के पीछे भागता है, तो वह आपके अंदर रहकर ही आपकी कार्यक्षमता, स्वास्थ्य, समय और प्रतिष्ठा को धीरे-धीरे नष्ट करता रहता है।

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏



मंडे पॉजिटिव

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकान्त मिश्र/बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रगाढ़ी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चंपारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पौडोसफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिक्षकों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चंपारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संस्कृत शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चंपारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह रौलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेगी, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यवसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकलकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम छात्र पर पड़ेगा जो एक नए परिवर्तन है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

एकदम शान्तिय
बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक ज्ञानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरू हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैली है। इसका उद्देश्य है कि प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नवी ज्ञानकारी मिलती है। हम

जात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवस्थानी पंचायत के राजकीय उत्तरांचल माध्य विद्यालय औरसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के बच्चों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- वेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरू हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि अखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाय तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफ़ी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की

01
सौ आठ अंक का ले
बुका प्रकाशन



श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले बच्चों में शेयर किया रिस्पांस अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में वेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिक का उत्सर्जन कहा से होता है, तबो का वर्गीकरण किसने किया। श्वित् परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, खैरती के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेररक प्रश्न शामिल हैं।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026

बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूर जगन्नाथ • बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊँचाई देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सहायक शैक्षिक पालक सम्मने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के समुदायिक संकल्प और समर्पण से यह पालक हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चंपारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

■ यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बंटल रही शिक्षा का स्वरूप
■ शिक्षकों के समुदायिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका
भाषा कौशल, सामसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकें तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनव्यवस्था बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकर ले रही इस पालक का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक रौलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों को एक टीम हिन्दू कुमार, सौर कुमार,



प्रखंड संसलन केंद्र बगहा दो • जगन्नाथ

राय, मनेज कुमार और मनेज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संकलन और प्रकाशन कर रही हैं। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यालयों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है। 'सत्यप्रति' मॉडल से सार्वजनिक

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सत्यप्रति' मॉडल के रूप में विवरित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रश्न जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यालयों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बढ़ती है शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तिगत विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। धृष्टन रम्य, वीरेंद्र, जगन्नाथ दो

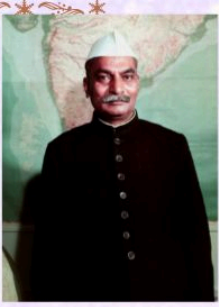
संयोजित रूप से आगे बढ़ाता है। शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियाँ, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जगन्नाथ: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जगन्नाथ फोकस कर रही है। शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स ऑफ बिहार-द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संयोजित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सराका

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

भारत के प्रथम राष्ट्रपति: 'देशरत्न' डॉ. राजेंद्र प्रसाद

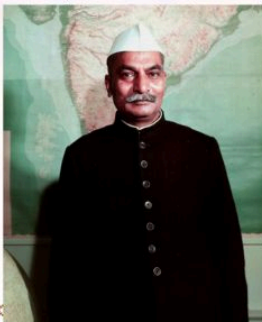


प्यारे बच्चों, क्या आप जानते हैं कि स्वतंत्र भारत के सबसे पहले नागरिक यानी हमारे प्रथम राष्ट्रपति कौन थे? वे हमारी पावन धरती बिहार के एक ऐसे महान सपूत थे, जिनका जीवन सादा जीवन और उच्च विचार की सबसे सुंदर मिसाल था। लोग उन्हें आदर और प्यार से 'देशरत्न' और 'राजेंद्र बाबू' कहकर पुकारते हैं। डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर 1884 को बिहार के तत्कालीन सारण (वर्तमान सीवान) ज़िले के जीरादेई गाँव में हुआ था। उनके पिता श्री महादेव सहाय संस्कृत और फ़ारसी भाषा के बड़े विद्वान थे, जो पहलवानी और घुड़सवारी के भी शौकीन थे। उनकी माता श्रीमती कमलेश्वरी देवी अत्यंत स्नेहमयी, धर्मपरायण और ममता की मूरत थीं, जो बालक राजेंद्र को रामायण की कहानियाँ सुनाया करती थीं।

नन्हे राजेंद्र बचपन से ही गज़ब के कुशाग्र बुद्धि, शांत और मेधावी छात्र थे। उनके स्कूल के दिनों की एक घटना पूरे देश में मशहूर है। जब वे कलकत्ता विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा दे रहे थे, तो उन्होंने सभी प्रश्नों के इतने सुंदर और सटीक उत्तर लिखे कि अंग्रेज़ परीक्षक ने उनकी उत्तर-पुस्तिका देखकर दंग रह गया। परीक्षक ने कॉपी पर टिप्पणी लिखते हुए दर्ज किया—"परीक्षार्थी परीक्षक से बेहतर है!" (The examinee is better than the examiner)। उच्च शिक्षा पूरी कर उन्होंने कलकत्ता और पटना उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की। वे इतने सच्चे और ईमानदार वकील थे कि कभी कोई झूठा मुकदमा हाथ में नहीं लेते थे। उनकी तीक्ष्ण बुद्धि और सच्चाई के कारण वे बहुत जल्दी एक सफल और प्रतिष्ठित वकील बन गए।

वर्ष 1917 में जब महात्मा गांधी चंपारण के नीलहा किसानों के दुख-दर्द को दूर करने बिहार आए, तो राजेंद्र बाबू उनके विचारों से इतने प्रभावित हुए कि अपनी चमकती हुई वकालत छोड़कर बापू के साथ सत्याग्रह में कूद पड़े। उन्होंने चंपारण के किसानों के बयानों को कलमबद्ध किया और आज़ादी की लड़ाई के मुख्य स्तंभ बन गए। 1934 में जब बिहार में भयंकर भूकंप आया, तब जेल से रिहा होते ही राजेंद्र बाबू ने दिन-रात एक करके पीड़ितों के लिए राहत कार्य चलाया। उनके एक आह्वान पर देश भर से करोड़ों रुपये की सहायता बिहार पहुँची, जिससे लाखों बेघर लोगों की जान बची।

जब देश का संविधान बनाने के लिए 'संविधान सभा' का गठन हुआ, तो सर्वसम्मति से राजेंद्र बाबू को संविधान सभा का स्थाई अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने सबको साथ लेकर बड़े धैर्य और कुशलता से भारतीय संविधान के निर्माण का कार्य पूरा कराया। 26 जनवरी 1950 को जब हमारा देश गणतंत्र बना, तो वे स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति बने। वे लगातार दो बार (1950 से 1962 तक) देश के राष्ट्रपति रहे। इतने बड़े सर्वोच्च पद पर रहकर भी वे राष्ट्रपति भवन में एक संन्यासी की तरह रहते थे—खादी की धोती-कुर्ता पहनते, ज़मीन पर बैठते और अपनी तनख्वाह का बड़ा हिस्सा देश के खजाने में लौटा देते थे। 1962 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से अलंकृत किया गया। राष्ट्रपति पद से मुक्त होकर वे पटना के सदाकत आश्रम में एक छोटी सी कुटिया में रहने लगे, जहाँ 28 फरवरी 1963 को उन्होंने अंतिम साँस ली। प्यारे बच्चों, डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जीवन हमें सिखाता है कि आप चाहे कितने भी बड़े पद पर पहुँच जाएँ, अपने स्वभाव में हमेशा सादगी, विनम्रता और सच्चाई बनाए रखें।



शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2





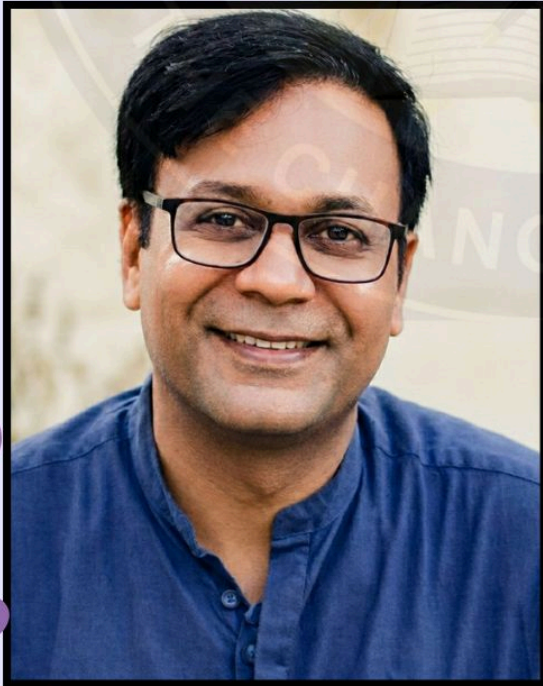
Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿 🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के
लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)



-9939671700

आज का विचार:

मन को खुला छोड़ देना अपने ही घर में शत्रु को पनाह देने जैसा है।
हर दिन छोटे-छोटे संकल्पों और अनुशासन से अपने मन को वश में
कीजिए, ताकि वह आपका सबसे विश्वस्त और शक्तिशाली मित्र
बन सके।

+917250818080



teachersofbihar@gmail.com



+917250818080



www.teachersofbihar.org

